Q) Educational Provisions in Indian Constitution

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमने अपने देश के संविधान का निर्माण किया संविधान सभा ने इसे 26 Nov., 1949 को पेश किया और 26 Jan, 1950 से यह हमारे देश में लागू हो गया। इसके बाद 1976 ई० में 42 वें संविधान में शिक्षा को समवर्ती सूची में रखा गया।

1976 ई० में 42 वें संविधान संशोधन द्वारा इसकी उद्देशिका (Preamble) में समाजवादी, धर्म निरपेक्ष और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता शब्दों को जोड़कर इसकी मूल भावना को और अधिक स्पष्ट कर दिया गया।

इस संविधान के अनु० - 12 से 32 तक में नागरिकों के मूल अधिकार (Fundamental Rights) को स्पष्ट किया गया। (→ अमेरिका)
इसकी संख्या पहले - 7 थी वर्तमान में 6 है।

1979 ई० में 44 वें संविधान संशोधन से, सम्पत्ति का अधिकार को हटा दिया गया वर्तमान समय में सम्पत्ति के अधिकार को कानूनी अधिकार की सूची में जोड़ दिया गया।

मूल कर्तव्य (Fundamental Duties - 51(A)) की संख्या पहले - 10 थी परंतु वर्तमान में 11 है जो अनुच्छेद 51(A) के अन्तर्गत रखा गया है। मूल कर्तव्य को 2002 ई० में 93 वे संशोधन में जोड़ा गया है।

JULY

11th अध्याय

Scanned with CamScanner

→ संविधान का पालन करे एवं राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्रगान का आदर करें — 51 (a)

→ राष्ट्रीय आंदोलन से प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोये — 51 (b)

→ भारत की संप्रभुता, एकता तथा अखण्डता की रक्षा — 51 (c)

→ राष्ट्र की सेवा तथा देश की रक्षा — 51 (d)

→ भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें तथा धर्म, भाषा, वर्ग भेदभाव का त्याग — 51(e)

* जन्म से 6 वर्ष तक की शिशुओं के देखभाल और शिक्षा व्यवस्था — 2002 ई० में संविधान के 86 वें संशोधन द्वारा अनुच्छेद - 45 में वर्णित है

* 6 - 14 वर्ष तक की वायु के बच्चों की अनिवार्य एवं नि:शुल्क शिक्षा — 2002ई में अनुच्छेद 21 (A) में दर्शाया गया है

* शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश के समान अधिकार — अनु० 29(2)

* स्त्री शिक्षा की विशेष व्यवस्था — 15 (3)

* समाज के कम वर्ग SC, ST के बच्चों की शिक्षा की विशेष व्यवस्था — अनु० - 46

* अल्प संख्यक की शिक्षा की विशेष व्यवस्था — अनु०-30

Scanned with CamScanner

* मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा — अनु० - 350(A)
* धार्मिक शिक्षा के विषय में स्पष्ट-निर्देश — अनु० - 28.
* राष्ट्र भाषा हिन्दी का विकास के बारे में वर्णित — अनु० 343.

कम्प्यूटर निर्देशित सहाय/सहायक अनुदेशन (Computer Assisted Instruction: CAI)

Introduction of CAI :-

आज के वर्तमान समय में कम्प्यूटर को विज्ञान और तकनीकी द्वारा मानव जाति को दिया जाने वाला सबसे अमूल्य उपहार कहा जा सकता है। इसने हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में एक अद्भुत सा चमत्कार ला दिया है।

आज हमारे जीवन की लगभग सभी क्रियाएँ कम्प्यूटर से जुड़ी हुई हैं। कम्प्यूटरों की सहायता से चलने वाले इस शिक्षण-अधिगम या अनुदेशन कार्य को ही कम्प्यूटर सहायित या कम्प्यूटर निर्देशित अनुदेशन का नाम दिया जाता है।

Meaning of CAI - कम्प्यूटर निर्देशित अनुदेशन का अर्थ :-

कम्प्यूटर सहाय अनुदेशन को कम्प्यूटर मशीनरी की मदद से सम्पादित किया जाता है। कम्प्यूटर सहाय अनुदेशन एवं अनुदेशित तथा वैयक्तिक होता है। कम्प्यूटर सहाय अनुदेशन सर्वथा प्रचलित शिक्षण मशीन द्वारा संचालित अनुदेशन तथा अभिक्रमित पाठ्यपुस्तकों से भी नया विचार माना जाता है।

Definition of CAI - कम्प्यूटर सहाय अनुदेशन की परिभाषा :-

मर्द एवं शर्मा के अनुसार :-

"इसके अनुसार कम्प्यूटर सहाय अनुदेशन को शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में विद्यार्थी एवं कम्प्यूटर नियंत्रित प्रस्तुतीकरण तथा अनुक्रिया Recording उपकरण के मध्य चलने वाली अन्तः क्रिया के रूप में समझा जा सकता है।"

कम्प्यूटर सहाय अनुदेशन से अभिप्राय ऐसी अनुदेशन तकनीक या विधि से है जिसके अन्तर्गत विद्यार्थी तथा कम्प्यूटर संयन्त्रों के

बीच एक ऐसी प्रयोजनपूर्ण अन्तःक्रिया चलती रहती है जिसके फलस्वरूप विद्यार्थी विशेष को अपनी क्षमताओं तथा अधिगम गति का अनुसरण करते हुए वांछित अनुदेशनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता प्राप्त होती है।

इन परिभाषाओं ने कुछ तथ्यों को हमारे सामने प्रस्तुत किया है:-

(i) कम्प्यूटर सहाय अनुदेशन में किसी एक विद्यार्थी तथा कम्प्यूटर के बीच उसी प्रकार की अन्तःक्रिया चलती है जैसी कि एक ट्यूटोरियल प्रणाली में शिक्षक और विद्यार्थी के बीच चलती है।

(ii) कम्प्यूटर द्वारा विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से अनुदेशन सामग्री को प्रस्तुत करना पूरी तरह संभव है।

(iii) जैसे ही अनुदेशन सामग्री कम्प्यूटर के मॉनीटर पर प्रस्तुत की जाती है विद्यार्थी उससे फायदा उठाकर उसके प्रति वांछित अनुक्रियाएँ ग्रहण करता है। इन अनुक्रियाओं को कम्प्यूटर द्वारा भली-भाँति ग्रहण करके, विद्यार्थी को आगे बढ़ाया करना है, इस तरह के अनुदेशन प्रदान किये जाते हैं।